बृहस्पतिवार
01 अगस्त 2024

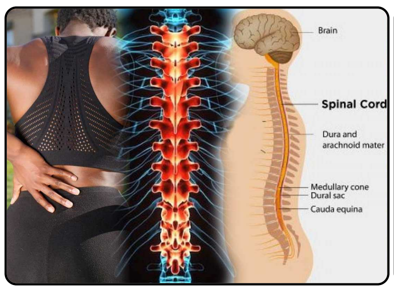

पृष्ठ 4
स्लिप डिस्क की वजह से कहीं...

पृष्ठ 5
खूबसूरत साड़ी पहन रश्मिका मंदाना ने...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 177
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

किताबें ऐसी शिक्षक हैं जो बिना कष्ट दिए, बिना आलोचना किए और बिना परीक्षा लिए हमें शिक्षा देती हैं।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पहाड़ पर टूटा मुसीबतों का पहाड़

●रुद्रप्रयाग, टिहरी सर्वाधिक प्रभावित, केदारनाथ यात्रा स्थगित

❑प्रशासन ने की 10 लोगों के मरने की पुष्टि, 5 लापता
❑सीएम धामी ने किया हवाई व स्थलीय निरीक्षण
❑गंगा का जलस्तर बढ़ा, घाटों से दूर रहने की अपील
❑लिंचोली में फंसे यात्रियों का हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पर एक बार फिर मानसूनी आपदा का कहर देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में राज्य में हुई भारी बारिश के कारण 10 लोगों की जान चली गई तथा पांच लोग लापता है। आपदा का सबसे ज्यादा असर रुद्रप्रयाग और टिहरी में देखा गया जहां बादल फटने से भारी जान माल का नुकसान हुआ है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर दो पुलों के बह जाने तथा हाईवे का एक बड़ा हिस्सा बह जाने से सैकड़ो यात्रियों के फंस जाने की खबर है, जिन्हें हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू और जंगल में बनाए गए वैकल्पिक मार्ग से निकाल लाने का प्रयास किया जा रहा है। केदारनाथ हाईवे और पैदल मार्ग के बंद हो जाने के कारण फिलहाल कुछ दिनों के लिए केदारनाथ यात्रा को स्थगित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो खुद हालात पर नजर बनाए हुए हैं, ने आज टिहरी के घनसाली क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया तथा धरातल पर जाकर भी स्थिति का जायजा लिया। बीती रात यहां जखनियाली में बादल फटने से भारी तबाही हुई थी तथा दो लोगों की मौत हो गई थी तथा एक साधु लापता हो गया था। मुख्यमंत्री धामी ने आज आपदा सचिव व सभी जिलों के डीएम के साथ स्थलीय हालत की जानकारी ली। उनका कहना है कि वह स्वयं स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उनकी प्राथमिकता है कि मुसीबत में फंसे लोगों को पहले सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक भूस्खलन के कारण हाइवे कई जगह बाधित हो गया, महाबली व जानकी चट्टी के बीच दो पुल बह गए हैं तथा कुंड के पुल के एक हिस्से के धसने से इस पर आवाजाही रोक दी गई है। वही सोनप्रयाग गौरीकुंड के बीच मंदाकिनी के तेज बहाव के साथ हाईवे का बड़ा ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

राहत-बचाव कार्यों के लिए धनराशि की पर्याप्त व्यवस्था की गईः सीएम

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जानकारी लेते हुए कहा कि राहत व बचाव कार्यो के लिए पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की गयी है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केन्द्र से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतिवृष्टि की जानकारी ली। सचिव आपदा प्रबंधन को उन्होंने निर्देश दिये कि जिलाधिकारियों से निरंतर समन्वय

❑प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की मुख्यमंत्री ने ली जानकारी

बनाये रखें। अतिवृष्टि के कारण राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जिलाधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार की सहायता मांगे जाने पर यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाय। उन्होंने बालगंगा एवं बूढ़ाकेदार क्षेत्र के प्रभावित गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया को भी शीघ्र से शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा से राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी जनपदों को इस वित्तीय वर्ष में अभी तक कुल 315 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। आवश्यकता पड़ने पर जनपदों को और भी धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जिलाधिकारी हरिद्वार, टिहरी, ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

एससी/एसटी में सब कैटेगरी बना सकती है राज्य सरकारेंः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के भीतर सब-कैटेगरी करने की अनुमति दे दी है। एससी/एसटी कोटा के अंदर कोटा देने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को सुनाते हुए ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के 2004 के फैसले को पलट दिया है, जिसमें पांच जजों की बेंच ने कहा था कि सब-कैटेगरी की अनुमति नहीं है, क्योंकि एससी/एसटी एक ही कैटेगरी बनाते हैं। चीफ जस्टीस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत से फैसला दिया कि राज्यों द्वारा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आगे सब-कैटेगरी की अनुमति दी जा सकती है ताकि इन समूहों के भीतर अधिक पिछड़ी जातियों को कोटा प्रदान करना सुनिश्चित किया जा सके। न्यायमूर्ति बीआर गवई, विक्रम नाथ, बेला एम त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने छह अलग-अलग फैसले सुनाए। इसमें कहा गया कि सामाजिक समानता के सिद्धांत राज्य को अनुसूचित जातियों में सबसे पिछड़े वर्गों को तरजीह देने का अधिकार देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, ईवी चिन्नैया फैसले मामले में कुछ खामियां थीं।

हिमाचल में 3 जगह बादल फटे, 2 की मौत 50 लापता

हमारे संवाददाता

शिमला। हिमाचल में बादल फटने और अचानक आयी बाढ़ के चलते शिमला, मंडी और कुल्लू जिलों में काफी तबाही मची हुई है। भारी बारिश के कारण ब्यास और पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं रामपुर के समेज खड्ड में बादल फटने के बाद समेज गांव के कई घर बह गए। अब तक 2 लोगों के शव मिल चुके हैं, जबकि 50 लोग लापता हैं। इनकी खोज और रेस्क्यू में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें जुटी हुई है।

हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ट्वीट करके बताया कि ‘शिमला की रामपुर तहसील, मंडी जिले की पधर तहसील और कुल्लू के गांव

जाओन, निरमंड में बादल फटने से 50 से अधिक लोगों के लापता होने का अत्यंत दुखद समाचार मिला। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, होम गार्ड और फायर सर्विसेज की टीमें राहत, खोज और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। स्थानीय प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य को सुचारु रूप से करने के निर्देश दिये गए हैं। उन्होने अधिकारियों से संपर्क में रहने का कहा है और वह खुद राहत व बचाव कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे है। उन्होने कहा कि राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बादल फटने के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात की, जिससे शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के समेज खड्ड क्षेत्र में महत्वपूर्ण व्यवधान हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री को केंद्रीय सहायता और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल का समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

आसमानी आफत

मानसूनी आपदा का कहर यूं तो हर साल पूरे देश को झेलना पड़ता है। अभी 2 दिन पूर्व केरल के वायनाड में 150 लोगों की मौत हो गई और तमाम लोगों के पूरे जीवन की कमाई घर, मकान, दुकान सब कुछ इस आपदा ने पलक झपकते ही छीन लिया। बीते 24 घंटों में उत्तराखंड और हिमाचल में इस आसमानी आफत से भारी जान माल का नुकसान हुआ है। जहां उत्तराखंड में केदारनाथ और घनसाली में बादल फटने से भारी तबाही हुई है वहीं दर्जन भर से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अभी 4-5 दिन पहले टिहरी में बादल फटने और भूस्खलन के कारण दो गांव तबाह हो गए थे और सैकड़ो लोग बेघर हो गए थे जो अभी भी राहत शिविरों में जीवन यापन पर विवश है। आमतौर पर जब भी इस तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ता है तब शासन-प्रशासन में बैठे लोगों का तर्क होता है कि प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का कोई बस नहीं होता है। उनकी तरफ से हर संभव बचाओ और राहत के प्रयास किए जाते हैं। यही नहीं कुछ असंवेदनशील अधिकारी और नेताओं द्वारा तो यहां तक कह दिया जाता है कि जब लोगों को मना किया जाता है की नदी, नालों, खालो से दूर रहे तो क्यों वह उनके पास जाते हैं या क्यों तेज बहाव में सड़क पार करने की कोशिश करते हैं बरसात से अगर घर गिर जाता है तो कहा जाता है कि घर गिरने का कोई और भी कारण हो सकता है। लेकिन इस तरह की आपदाओं में जिनके परिजन जान गवां देते हैं या जिनकी संपत्तियों को भारी नुकसान होता है उसका दर्द वही समझ सकते हैं। किसी मानसून काल से पूर्व ऐसी कोई व्यवस्था इन प्रभावितों के लिए नहीं की जाती है। जहां उन्हें आसानी से रहने खाने पीने की व्यवस्था हो सके। बात जब गांव के उजड़ने और उनके विस्थापन की आती है तो उन्हें सालों साल तिरपाल में अपने बच्चों के साथ समय गुजारने पर मजबूर होना पड़ता है। सरकार द्वारा हर एक मानसून काल में कहा जाता है कि आपदा प्रबंधन को दी जाने वाली मदद में बढ़ोतरी की जाएगी लेकिन सवाल यह है कि अब तक क्या किया गया है अगर किसी परिवार का घर उनसे छिन जाता है तो क्या वह उस सरकारी सहायता जो 40-50 हजार की दी जाती है उससे उनका घर बनाया जा सकता है। आपदा प्रभावितों को राहत शिविरों में लाने और उन्हें दो वक्त का खाना मुहिया कर देने के बाद उन्हें मदद के नाम पर क्या दिया जाता है और उसमें वह कैसे खुद और अपने परिवार को जिंदा रख पाते हैं इस पर कभी गौर नहीं किया जाता है। केंद्र सरकार द्वारा बारिश अतिवृष्टि और बाढ़ जैसी समस्या से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने से लेकर जल प्रबंधन और जल निकासी की व्यवस्था पर दशकों से बात तो होती है लेकिन इसका नतीजा आज तक ढाक के तीन पात ही है। हादसों में लाखों हेक्टेयर कृषि भूमि इस आपदा की भेंट चढ़ जाती है। जो सड़के और पुल टूट जाते हैं उन्हें बनने में कई कई साल लग जाते हैं। अन्य बड़ी उन परियोजनाओं की तो बात ही क्या करनी है जो इस मानसूनी आपदा का स्थाई समाधान बन सकती है जब तक मानसून काल रहता है तब तक मानसूनी आपदा की बात भी होती है और उसके निदान पर चर्चा जारी रहती है, मानसून काल समाप्त तो समस्या भी समाप्त मान लिया जाता है जैसे जंगलों के जलने की समस्या पर मानसून काल शुरू होते ही समस्या समाप्त हो जाती है वैसे ही मानसून की समाप्ति के बाद इस पर कोई बात नहीं की जाती है।

डीजे की रंजिश में युवक को गोली मारने के बाद हरकत में आई पुलिस

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले में बहादराबाद टोल प्लाजा पर डीजे के कंपटीशन के दौरान शुरू हुए विवाद की रंजिश में पड़ोसी कस्बा पुरकाजी में एक युवक को गोली मार दी गई। जिससे बाद हरिद्वार पुलिस भी हरकत में आ गई और पुलिस ने जाट गूर्जरों के गणमान्य व्यक्तियों से वार्ता कर उनमें एकता करा दी गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देश पर मंगलौर पुलिस ने जाट और गुर्जर बिरादरी के गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर सौहार्द बनाने की अपील की। जिसका नतीजा यह निकला कि दोनों बिरादरी के सम्मानित लोगों ने एकता और एकजुटता पर सहमति जताई। युवाओं को भी विवाद से दूर रखने का आह्वान किया गया। वही डीजे सार्जन और डीजे रावण समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर चल रहे कोल्ड वॉर पर भी पुलिस की नजर बनी हुई है। पुलिस कप्तान प्रमेंद्र डोबाल ने माहौल खराब करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश पुलिस को दिए हैं।

विदित हो कि कावड़ मेले में दिल्ली, यूपी, हरियाणा और झारखंड समेत कई राज्यों से विशालकाय डीजे हरिद्वार पहुंचे। इनमें बहादराबाद टोल प्लाजा के पास डीजे सार्जन और डीजे रावण के बीच मुकाबला हुआ। जिसे देखने के लिए कावड़ियों के साथ ही आसपास के हजारों लोग जमा हुए थे। जाम की स्थिति पैदा होने पर पुलिस ने भीड़ को खदेड़ते हुए यातायात सुचारु कराया था। इस दौरान कुछ कावड़ियों ने उप निरीक्षक सुधांशु कौशिक के साथ मारपीट कर दी थी। जबकि एएसपी जितेंद्र मेहरा के गनर सतीश का मोबाइल भी लूट लिया गया था। डीजे के कारण शुरू हुई इस रंजिश की गूंज अगल-बगल के कई राज्यों में सुनाई दे रही है। जिसका नतीजा पड़ोसी जिला मुजफ्फरनगर के कस्बा पुरकाजी में एक युवक को गोली मारने के रूप में सामने आया। पुरकाजी हरिद्वार जिले के सीमावर्ती कस्बा नारसन से सटा होने के चलते पूरी आशंका बनी हुई थी कि विवाद की आंच जनपद हरिद्वार तक आ सकती है। इसको लेकर एहतियात के तौर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, सीओ मंगलौर विवेक कुमार और मंगलौर कोतवाली प्रभारी अमरचंद शर्मा को आवश्यक निर्देश दिए। जिस पर पुलिस ने जाट और गुर्जर समाज की बैठक लेते हुए गैर जिम्मेदाराना कृत्य/पोस्ट से दोनों समाज के बीच खाई पैदा करने वालों को चेतवानी दी। पुलिस का कहना था कि विवाद की आड़ में जिसने भी अपराधिक कृत्य किया है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में समाज के जिम्मेदारों ने भरोसा दिलाया कि दोनों समाज साथ हैं। समाज के युवाओं से भी अपील की गई की सोशल मीडिया पर एक दूसरे के लिए नफरत और अफवाहें न फैलाएं।

❑जाट-गुर्जरों में कराई एकता, माहौल खराब करने वालों पर कार्यवाही

कुत्ते को मारने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। कुत्ते को डंडे से मारकर उसको घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डांडा जीवनगढ निवासी कमल शर्मा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कल शाम के समय जामिल पुत्र जाहिद नाम के व्यक्ति ने एक कुत्ता जिसकी उम्र एक वर्ष है जो कि कॉलोनी में ही रहता है, को सोते समय उसके घर के बाहर लाठी से सिर पर लगातार वार करके लहुलुहान कर दिया, जिसके बाद स्ट्रीट डॉग के नाक व मुँह से लगातार खून बहता रहा और डॉग मरणासन्न स्थिति में आ गया ।स्थानीय लोगो ने बडी मुश्किल से बीच बचाव कर स्ट्रीट डॉग को जामिल नामक व्यक्ति से बचाया गया।

नहर में डुबे दूसरे व्यक्ति का शव भी बरामद

संवाददाता

देहरादून। रायपुर क्षेत्र में गत दिवस नहर में डुबने से दो लोगों की मौत हो गयी थी एक का शव पहले ही बरामद हो गया था दूसरे का शव भी बरामद हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 जुलाइ 2024 की रात्रि में थाना रायपुर को थाना रायपुर क्षेत्र अंतर्गत ऑर्डिनेंस फैक्ट्री तथा शराब ठेके के मध्य सड़क किनारे नहर में दो व्यक्तियों के डूबने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा, मौके पर पुलिस टीम को नहर से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। जिसके पास से सुंदर सिंह नाम लिखा हुआ एसबीआई बैंक का एक एटीएम कार्ड मिला है, शेष पहचान संबंधी कोई दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए है। नहर में बहे दूसरे व्यक्ति की तलाश हेतु पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीमो द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा था। आज प्रात: पुलिस टीम को आर्डिनेंस फैक्ट्री परिसर में नहर से दूसरे व्यक्ति का शव बरामद हुआ, जिसकी शिनाख्त अर्जुन सिंह राणा उम्र करीब 52 वर्ष निवासी तुनवाला, रायपुर के रूप में हुई। मृतक आर्मी से ऑर्डनरी कैप्टन के पद से रिटायर हुए थे तथा वर्तमान में डील में नौकरी करते थे तथा रात में अपनी शिफ्ट पूरी कर वापस जा रहे थे। मौके पर पुलिस टीम को एक स्कूटी खड़ी हुई मिली है, जिसके माध्यम से भी उक्त व्यक्ति के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

मारपीट कर सिर फोडने के मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर सिर फोडने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर ग्रान्ट थानों निवासी अमित बडोनी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 12 अप्रैल 2024 को उसके पडोस में रमेश बडोनी की पुत्री के विवाह के अवसर पर सांय के समय मेहन्दी का कार्यक्रम था जहां पर वह एंव आरोपी गजन उर्फ गजेन्द्र ठाकुर दोनो उपस्थित थे। वहां पर खाने के दौरान गजन उर्फ गजेन्द्र ठाकुर जानबूझकर उसके साथरात्री उलझा उलझी व गाली गलौच करता रहा और उसको चम्मच काटां दिखाकर मारने की धमकी भी दी गयी जहां पर कि विशाल सोंलकी एंव गावं के अन्य कुछ लोगो ने बीच बचाव कर मामला शान्त कराया। उसने इसे गम्भीरता से नही लिया और उक्त समारोह से अपने घर की ओर आ गया।

उसके पीछे- पीछे ही गजेन्द्र ठाकुर भी आ गया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा और इसी कहा सुनी के दौरान आरोपी ने उसको जान से मारने की नियत से हमला कर उसके सिर पर पत्थर से दो बार वार किया जिससे उसका सिर फट गया और वह गम्भीररूप से लहूलुहान होकर वही गिर गया। जिसके बाद उसके परिवार वाले उसको लेकर हिमालय अस्पताल पहुंचे जहां पर उसके सिर पर टांके लगे। उसने इस मामले की पुलिस को कई बार लिखित में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कुरियर कम्पनी व मुम्बई एनसीबी का अधिकारी बन ठगे 6 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। कुरियर कम्पनी व मुम्बई एनसीबी का अधिकारी बनकर छह लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलकनन्दा अपार्टमेंट राजपुर रोड निवासी राकेश कुमार जोशी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 24 जुलाई को उसके मोबाईल नम्बर पर मोबाईल एक नम्बर से कॉल प्राप्त हुयी थी, जिसने अपना परिचय देते हुए बताया था कि वह फेडेक्स कुरियर कम्पनी से बोल रहा है और बताया कि उसका कुरियर मुम्बई में पुलिस द्वारा रोका गया है। इस पार्सल को मुम्बई से ईरान जाना था और इस पर उसका नाम पता व आईडी लगी है। जब उसने उसे बताया कि उसका मुम्बई से कोई सम्पर्क नहीं है और ना ही उसने कोई पार्सल उनकी कुरियर कम्पनी से भेजा है, तो उसके द्वारा बताया गया कि शायद किसी के द्वारा उसके आधार कार्ड का दुरूपयोग कर यह पार्सल भिजवाया गया है। इसकी शिकायत करने हेतु वह उसकी कॉल को मुम्बई के एनसीबी विभाग से कनेक्ट करवाता है। इसके बाद उसकी बात एक अन्य व्यक्ति से होने लगी जिसने स्वयं का परिचय देते हुए मुम्बई एनसीबी विभाग का अधिकारी बताया और उसकी शिकायत सुनने के बाद उसको ऑनलाईन शिकायत दर्ज करवाने के लिए स्काईप एप्प डाउनलोड करने को कहा था। उसने उस पर विश्वास करते हुए अपने मोबाईल पर स्काईप एप्प डाउनलोड कर लिया व उसके द्वारा लिंक को क्लिक करने पर ऑडियोकॉल पर जुड़ गया, उसके द्वारा बताया गया कि यह फ्रॉड सम्भवत: बैंक के कर्मचारियों की मिली भगत से उसके साथ हुआ हो। इसलिए उन्हें उसके बैंक एकाउण्ट का वैरिफिकेशन करना होगा, वैरिफिकेशन के बाद उसको पीसीसी मिल जायेगा, इसके लिए उसको अपने आईसीआईसीआई बैंक के एकाउण्ट से उसके बताये गये एकाउण्ट में पैसा ट्रान्सफर करना होगा जिससे वह उसके खाते में हुए ट्रांजैक्शनों की जॉच कर सकें एवं वह निश्चिन्त रहें यह पैसा बाद जॉच आपके खाते में वापिस आ जायेगा। उसके द्वारा बैंक खाते का विवरण उनको दे दिया जिसके बाद उसके बैंक से तीन बार दो-दो लाख रूपये कुल छह लाख रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गर्भवति महिला के साथ मारपीट में पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। गर्भवति महिला के साथ मारपीट करने पर पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी राजीव चौधरी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज अपने बच्चे को छुट्टी के बाद स्कूल, पुलिस लाईन लेने जा रहे थे, जैसे ही स्कूल के पास पहुंचे तो वहां पर उसके पडोसी आनन्द तोमर व उनकी पत्नी सपना तोमर खडी हुई थी। यह लोग मौहल्ले में आये दिन किसी न किसी बात को लेकर झगडा करते रहते हैं और उससे विशेष रंजिश रखते हैं। उसे देखते ही सपना तोमर ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। उसने विरोध किया तो उन्होंनें उसके साथ मारपीट शुरू कर दी, इस बीच आनन्द तोमर ने उसकी पत्नी शालू को पेट में लात मारी जिस कारण उसकी पत्नी का दो माह का बच्चा मिस गैरेज हो गया।

घटना स्थल पर ही ब्लडिंग शुरू हो गयी, उसके बाद वह तुरन्त शालू को उपचार के लिए दून अस्पताल लाये वहां पर डा. ने टेस्ट कराये तो बताया कि बच्चे को बहुत नुकसान हुआ है, बचना मुश्किल है। कुछ देर अस्पताल में रखने के बाद डाक्टर ने अल्ट्रासाउण्ड किया और बताया कि बैबी मिस गैरिज हो गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विकेश नेगी को तडीपार करने पर विभिन्न संगठनों ने किया विरोध

संवाददाता

देहरादून। विकेश नेगी को तडीपार किये जाने के विरोध में महिला मंच सहित विभिन्न संगठनों ने विरोध जताते हुए जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। आज यहां महिला मंच, उत्तराखण्ड इंसानियत मंच, चेतना आंदोलन, हिन्द स्वराज मंच, सीपीआई के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि राज्य में दमन की कार्रवाइयां लगातार तेज होती जा रही हैं। हक के लिए संघर्ष करने वाले श्रमिक नेताओं को गुंडा एक्ट का नोटिस देना, आरटीआई कार्यकर्ता को तडीपार करना, धरना प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकारों पर हमले करना प्रचलन बन चुका है। पूंजीपतियों के हित में शासन प्रशासन व श्रम विभाग की सक्रियता से कम्पनी मालिकों को बेलगाम शोषण बढता जा रहा है। लम्बे समय से अलग-अलग बस्तियों में रहने वाली, विशेष रूप से मेहनतकश जनता को अवैध काबिज बताकर बेदखल करने व बुलडोजर से पूरी बस्ती को ध्वस्त करने जैसी कार्रवाइयां तेज हो चुकी हैं। उन्होंने मांग की है कि श्रमिक नेताओं को भेजे गये कथित गुंडा एक्ट के नोटिस को तत्काल निरस्त किया जाये, विभिन्न कम्पनी के श्रमिक नेताओं को शांतिभंग के कथित आरोप में भेजी गयी समस्त नोटिस निरस्त हो तथा अधिवक्ता विकेश नेगी ने जिन मामलों को उजागर किया है उन पर कार्यवाही हो और उनको तडीपार करने का फैसला वापस लिया जाये।

ऑनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर ठगे एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर एक लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर निवासी वंश धीमान ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 13 जून 24 को एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ा था जिसमें उसको आनलाइन पैसे कमाने का लालच दिया गया था। उस ग्रुप का नाम ड्रीम कम ट्रू था जिसमें एक आरव पार्थ नाम के व्यक्ति ने उसको जानकारी दी की क्वाइन स्वीच कुबेर नामक कम्पनी से जुड़ा हुआ है और उसका इम्पलाइज है । उसने उसको. पैसे निवेश करने को बोला और उसको निवेश करने के बाद वह पैसे फ्रीज हो चुके है और उनको निकालने के लिए और पैसे डालने पड़ेगे। उसमें उसमें कुल एक लाख तीन हजार रुपये डाल चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा का उप चुनाव से कोई लेना देना नहीं: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि श्री केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा का आगामी केदारनाथ विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव से कोई भी लेना देना नहीं है।

आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा में सम्मिलित होने के लिए गुप्तकाशी रवाना होने से पूर्व अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि श्री केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा का आगामी केदारनाथ विधानसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव से कोई भी लेना देना नहीं है, यह यात्रा पूरी तरह से श्री केदारनाथ धाम समेत उत्तराखंड के पवित्र धामों की प्रतिष्ठा के साथ भाजपा सरकार व उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ से रक्षा करने के उद्देश्य से व उत्तराखंड देश व दुनिया के सनातनी लोगों को भाजपा का असली चेहरा दिखाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भाजपा समर्थक कुछ लोगों द्वार दिल्ली में बनाए गए केदारनाथ धाम मंदिर ट्रस्ट द्वारा केदारनाथ धाम मंदिर का प्रतिरूप बनाया जा रहा है और उसके शिलान्यास में स्वयं राज्य के मुख्यमंत्री केदारनाथ जी से शिला ले कर मंदिर के शिलान्यास में न केवल पहुंचे बल्कि उन्होंने अपने संबोधन में यह तक कह दिया कि जो लोग उत्तराखंड में श्री केदारनाथ जी नहीं जा सकते वे दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ धाम मंदिर में पहुंच कर वही पुण्य ले सकते हैं जो श्री केदार धाम पहुंच कर मिलता है। धस्माना ने कहा कि इसके अलावा श्री केदारनाथ धाम मंदिर में सोने की चोरी के मुद्दे ने देश और दुनिया में उत्तराखंड की प्रतिष्ठा पर चोट पहुंचाई है जिस पर आज तक राज्य की सरकार ने कोई जांच नहीं करवाई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह की मर्यादा का भी अनेक बार राज्य सरकार व मंदिर समिति के गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण उलंघन हुआ है। धस्माना ने कहा कि इन सब मुद्दों पर केंद्र की मोदी व राज्य की धामी सरकार खामोश हैं इसलिए कांग्रेस ने श्री केदारनाथ जी समेत उत्तराखंड के चारों धामों की प्रतिष्ठा की रक्षा करने के उद्देश्य से 11 दिवसीय हरिद्वार से श्री केदारनाथ जी की 239 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा तय की जो पिछले आठ दिनों से निरंतर अपने गंतव्य श्री केदारनाथ की ओर बढ़ रही है। धस्माना ने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्रियों दायित्वधारियों व प्रवक्ताओं ने श्री केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा के खिलाफ बयानों की श्रृंखला चला रखी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस यात्रा को प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा के गुट की यात्रा कह कर प्रचारित किया लेकिन यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह समेत अनेक विधायकों पूर्व विधायकों पार्टी पदाधिकारियों के लगातार यात्रा में चलने से अब भाजपा की बौखलाहट व बेचैनी बढ़ गई है और अब उन्होंने यात्रा को आगामी उप चुनाव से जोड़ने का शिगूफा छोड़ दिया है।

सरकारी दस्तावेजों से छेडछाड में राजस्व विभाग कर्मचारियों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। सरकारी अभिलेखों के साथ छेडछाड करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात राजस्व विभाग कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रजिस्ट्रार कानूनगो प्रेम प्रकाश गोस्वामी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जिलाधिकारी देहरादून के पत्र 09 मई, 2024 में अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा आर-6 पंजिका (वर्ष 1956 से 1975) का पृष्ठ फटा होने, अभिलेखागार में सम्बन्धित वर्ष की सिलबन्द पंजिका उपलब्ध न होने एवं प्रकरण से सम्बन्धित के आदेश तहसील अभिलेखागार में संचित न होने के कारण सम्बन्धित कर्मचारियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

उपरोक्त पत्र पर तहसीलदार सदर देहरादून द्वारा अपने पृष्ठांकन आदेश 14 मई 2024 से आदेश के अनुपालन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उपरोक्त निर्देशों के क्रम में अवगत कराना है कि आर०-6 पंजिका वर्ष 1956 से 1975 के अवलोकन से उक्त पंजिका का फसली वर्ष 1376 से सम्बन्धित पृष्ठ फटा हुई अवस्था में है। इसके अतिरिक्त फसली वर्ष 1393 से 1398 की ग्राम रायपुर की खतौनी में आदेश सुपरवाइजर कानूनगो के मृतक गोवरधन पुत्र सालक राम का नाम खारिज करके महेश्वरानन्द, दयानन्द, पूर्णानन्द, ज्योति प्रसाद, मोहनलाल पुत्रगण गोवर्धन का नाम बतौर वारिस दर्ज है। किन्तु आदेश से सम्बन्धित प्रपत्र तहसील अभिलेखागार में संचित नहीं है। उपरोक्त से लगता है कि प्रकरण प्रथम दृष्टया अभिलेखों से छेड़छाड़ किये जाने से सम्बन्धित है किन्तु मामला पुराना होने के कारण स्पष्ट नहीं है कि यह कार्य किसके द्वारा किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोबाइल व पर्स लूट में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। राह चलते व्यक्ति के हाथ से पर्स व मोबाइल लूट के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन नगर निवासी एसपी डोटियाल हरिद्वार रोड से कचहरी की तरफ पैदल जा रहे थे। जब वह पुरानी जेल के पास पहुंचे तभी अज्ञात व्यक्ति ने उनके हाथ पर झपटा मारकर पर्स व मोबाइल लूट लिया। वह कुछ समझते इससे पहले ही लूटेरा वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नशा तस्करी के आरोपी को पकडने गयी पुलिस टीम पर हमला

संवाददाता

देहरादून। एनडीपीएस एक्ट में वांछित आरोपी को पकडने गयी पुलिस टीम पर परिवार वालों ने हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली में तैनात दरोगा दिनेश राणा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एनडीपीएस एक्ट में वांछित गुरुचरण उर्फ मुन्ना पुत्र सुभाष निवासी चंद्रेश्वर नगर ऋषिकेश की तलाश हेतु चन्द्रभागा पुल पर पहुंचा तो उसको बताया कि उसके मुकदमे से सम्बन्धित गुरूचरण उर्फ मुन्ना अभी गली खडा है यदि तुरन्त कार्यवाही करे तो पकडा जा सकता है उसके द्वारा चीता 02 में नियुक्त सिपाही व महिला कांस्टेबल केन्द्री रावत को चन्द्रभागा तिराहे पर तलब किया गया तथा चन्द्रभागा तिहारे पर कांवड ड्यूटी में तैनात विनोद कुमार प्रभारी एसओजी ग्रामीण को अवगत कराया गया तब तक चीता 02 व गौरा 15 में नियुक्त कर्मचारियों के साथ चन्द्रभागा तिराहे पर आये चन्द्रेश्वरनगर में वाँछित गुरूचरण उर्फ मुन्ना अपने घर के पास खडा मिला जिसे उसके द्वारा गुरूचरण को एनडीपीएस एक्ट वाँछित होना बताकर अवगत कराया कि पूर्व गिरफ्तार शुदा सूरज उर्फ सूरजा के साथ अवैध स्मैक की बिक्री के अपराधिक षडयन्त्र के पक्षकार होने पर उसको गिरफ्तार किया जा रहा है इस पर आरोपी अत्यधिक उत्तेजित होकर गिरफ्तारी का विरोध करने लगा तथा आसपास के लोगो को जोर जोर से चिल्लाकर पुलिस का विरोध करने को उकसाने लगा इसी दौराने मौके पर ही आरोपी की पत्नी शान्ती देवी व तीन पुत्रियाँ सोनम ,सोनिया उर्फ सोनी, रानी भी पुलिस का विरोध करने लगे गुरूचरण व उसके परिजनो द्वारा पुलिस के साथ गिरफ्तारी का विरोध कर पुलिस के साथ एक राय होकर हमला व धक्का मुक्की करते हुये झूठे मुकदमो फँसाने की धमकी देने लगे उन्होंने किसी तरह से गुरूचरण को गिरफ्तार कर थाने लेकर आये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्या आपको भी है ज्यादा नमक खाने की लत ?

जैसे जीने के लिए सांसों की जरूरत होती है, उसी तरह खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए नमक भी जरूरी होता है। नमक एक ऐसी चीज है, जो हमारे शरीर में फ्लूड बैलेंस, नर्व फंक्शन और मसल्स के काम करने के लिए बेहद जरूरी होता है। अगर हमारे शरीर में नमक यानी सोडियम की कमी हो जाती है तो कई बेसिक फंक्शन जैसे नर्व के सिग्नल ट्रांसमिशन और ब्लड प्रेशर को बरकरार रखने आदि अटक सकते हैं।

इतिहास में भी बेहद खास रहा नमक

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इतिहास में भी नमक बेहद खास माना गया है। दरअसल, जब दुनिया में फ्रिज यानी रेफ्रिजरेटर ईजाद नहीं हुआ था, जब खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नमक ही इस्तेमाल किया जाता था। इसके अलावा एक दौर ऐसा भी रहा, जब नमक को करेंसी की तरह भी यूज किया गया। हकीकत में सैलरी शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द सैलेरियम से हुई है, जिसका मतलब सैलरी भी होता है। प्राचीन रोम में रोमन सैनिकों को मिलने वाली सैलेरियम हकीकत में नमक होता था, जो उस वक्त बेहद कीमती और जरूरी चीज माना जाता था।

कितना नमक खाना सही?

अब सवाल उठता है कि इंसान को कितना नमक खाना चाहिए, जिससे उसकी तबीयत न बिगड़े। जैसे नमक हमारे लिए फायदेमंद है, उसकी तरह ज्यादा नमक खाने से सेहत संबंधित कई दिक्कतें हो सकती हैं। चीनी की तरह नमक की भी लत लग सकती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि रोजाना कितना नमक खाना चाहिए और इससे हमारे आंत माइक्रोबायोम पर क्या असर पड़ता है?

हमारी डाइट और सेहत के लिए नमक कितना जरूरी?

हमारी डाइट में नमक डालने का मकसद खाने का स्वाद बढ़ाना होता है। यह हमारे खाने को स्वादिष्ट बनाता है और शरीर को जरूरी सोडियम और क्लोराइड मुहैया कराता है। बता दें कि नमक कई तरह के होते हैं, जिनमें गुलाबी नमक और काला नमक आदि शामिल होते हैं। नमक से हमारे शरीर को कई अन्य मिनरल्स भी मिलते हैं, लेकिन उनकी मात्रा काफी कम होती है। अगर हम ज्यादा नमक खाते हैं तो शरीर में सोडियम और क्लोराइड का लेवल बढ़ सकता है, जो कई अंगों के लिए नुकसानदायक होता है। इसके अलावा ज्यादा नमक की वजह से हाइपरटेंशन की दिक्कत भी बढ़ती है।

अचानक नमक खाना बंद कर देंगे तो क्या होगा?

इस मामले में कानपुर बेस्ड डाइटिशियन पायल ओमार ने बताया कि अगर हम रोजाना सभी फूड ग्रुप मिलाकर बैलेंस्ड डाइट लेते हैं तो हमें एक्स्ट्रा नमक खाने की जरूरत नहीं होती है, क्योंकि बैलेंस्ड डाइट से ही हमें रोजाना ५०० मिलीग्राम सोडियम मिल जाता है। दरअसल, अपने टेस्ट बड्स की वजह से हम काफी समय से नमक खा रहे होते हैं, जिसके चलते शरीर नमक के सेवन को एक्सेप्ट कर लेता है। अगर हम अचानक नमक खाना छोड़ देते हैं तो इससे हमारे शरीर में कुछ बदलाव नजर आ सकते हैं।

मालवी मल्होत्रा का स्पेशल सॉन्ग शाहबानो रिलीज!

आडू एंटरटेनमेंट के बैनर तले अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा का स्पेशल गाना शाहबानो डिवो म्यूजिक के जरिए रिलीज किया गया है। गौतम चव्हाण द्वारा निर्मित और भास्कर बंटुपल्ली द्वारा निर्देशित इस गाने की कोरियोग्राफी यश मास्टर ने की है। रिलीज के बाद इस गाने को युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें युवा सितारे गाने की रील बना रहे हैं। शानदार लोकेशन पर फिल्माया गया यह गाना अपने मधुर और आकर्षक बोलों से लोगों का मन मोह लेता है।

प्रतिभाशाली गायक साकेत कोमांडुरी ने अपने अनोखे अंदाज में इस गाने को संगीत दिया है। गाने की सिनेमैटोग्राफी ए.डी. मार्गल ने की है, जबकि श्रीकांत पटनायक ने संपादन किया है।

आर. आर. मुरलीमोहन कार्यकारी निर्माता हैं और आर. चंद्रमोहन लाइन प्रोड्यूसर हैं। शाहबानो गाने को तेलुगु, हिंदी, तमिल और कन्नड़ में एक साथ रिलीज़ किया गया था, जिसमें सोनी कोमांडुरी ने सभी संस्करणों के लिए स्वर प्रदान किए थे। उल्लेखनीय है कि सोनी कोमांडुरी ने बाहुबली फिल्म में प्रसिद्ध हंसा नावा गाना भी गाया था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

स्लिप्ड डिस्क की वजह से कहीं आपको भी ना करना पड़े व्हीलचेयर का इस्तेमाल!

स्लिप्ड डिस्क एक ऐसी स्थिति है जिसमें रीढ़ की हड्डी की डिस्क खिसक जाती है, जिससे कमर और पैर में तेज दर्द होता है। आज हम जानेंगे कि स्लिप्ड डिस्क क्या है, इसके लक्षण क्या होते हैं और इससे बचने के तरीके क्या हैं। ताकि आप भी इस समस्या से बच सकें और हेल्दी रह सकें।

स्लिप्ड डिस्क क्या है?

स्लिप्ड डिस्क एक ऐसी स्थिति है जिसमें रीढ़ की हड्डी के बीच की नरम डिस्क खिसक जाती है या फट जाती है। यह डिस्क रीढ़ की हड्डियों को कुशन की तरह सुरक्षा देती है। जब यह खिसकती है, तो यह नसों पर दबाव डालती है, जिससे कमर, गर्दन और पैरों में तेज दर्द हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या भारी सामान उठाने, गलत मुद्रा में बैठने, या उम्र बढने के कारण होती है। सही देखभाल और व्यायाम से इसे ठीक किया जा सकता है। अगर दर्द ज्यादा हो, तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

स्लिप्ड डिस्क के लक्षण

* कमर दर्द: कमर में लगातार दर्द रहना, जो हिलने-डुलने से और बढ़ जाता है।

* पैरों में दर्द: कमर से पैर तक दर्द फैल जाना, जिससे चलने-फिरने में कठिनाई होती है।

* सुन्नपन: पैरों या हाथों में सुन्नपन या झुनझुनी महसूस होना।

* कमजोरी: मांसपेशियों में कमजोरी, जिससे चीजों को पकडने या उठाने में कठिनाई होती है।

स्लिप्ड डिस्क के कारण

* उम्र बढना: उम्र के साथ डिस्क कमजोर हो जाती हैं और खिसक सकती हैं।

* भारी सामान उठाना: गलत तरीके से भारी सामान उठाने से डिस्क पर दबाव पड़ता है।

* गलत मुद्रा: लंबे समय तक गलत तरीके से बैठने या खड़े रहने से रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है।

* चोट: अचानक गिरने या दुर्घटना से रीढ़ की हड्डी में चोट लग सकती है।

स्लिप्ड डिस्क से बचाव के उपाय

* सही मुद्रा अपनाएं: बैठते और खड़े होते समय सही मुद्रा रखें।

* वजन कंट्रोल में रखें: मोटापे से बचें, क्योंकि ज्यादा वजन रीढ़ की हड्डी पर दबाव डालता है।

* सही तरीके से सामान उठाएं: भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़ें और कमर सीधी रखें।

* व्यायाम करें: रोज़ाना हल्के व्यायाम करें, जो कमर और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाएं।

* आराम करें: पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें, ताकि वह ठीक हो सके।

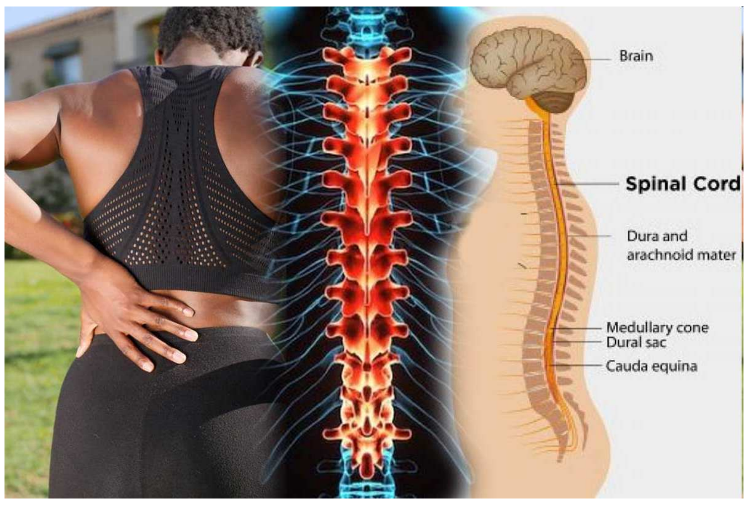

स्लिप्ड डिस्क का इलाज

* दवाईयां: डॉक्टर के परामर्श से दर्द निवारक दवाएं लें, जो दर्द और सूजन को कम करें।

* फिजियोथेरेपी: नियमित फिजियोथेरेपी से मांसपेशियों की मजबूती बढ़ती है और दर्द में राहत मिलती है।

* गर्म और ठंडा सेक: दर्द वाले हिस्से पर बारी-बारी से गर्म और ठंडा सेक करें।

* सर्जरी: अगर दर्द बहुत ज्यादा हो और अन्य उपाय काम न करें, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य - 71

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

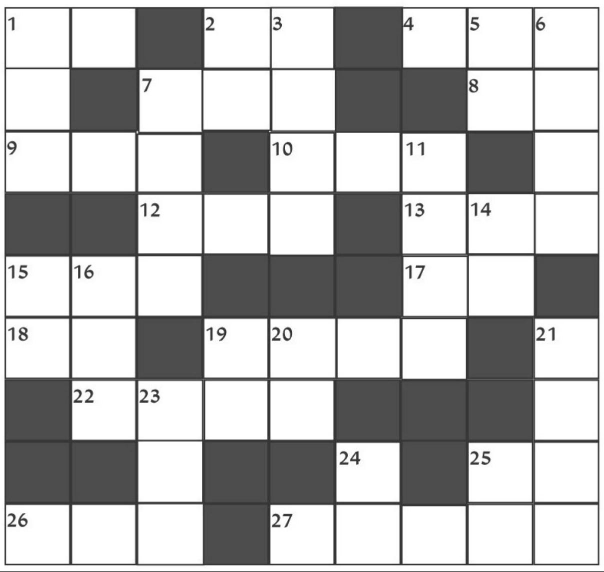

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा से जुड़े सरथकुमार

तेलुगु अभिनेता विष्णु मांचू अपनी आगामी फिल्म कन्नप्पा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में प्रतिष्ठित प्रदर्शन के बाद इस फिल्म ने दर्शकों का और ज्यादा ध्यान आकर्षित किया है। बीते दिन फिल्म का टीजर जारी हुआ जिसे समीक्षकों समेत दर्शकों ने भी काफी सराहा। वहीं, अब फिल्म की स्टारकास्ट में अभिनेता सरथकुमार का नाम जुड़ गया है। निर्माताओं ने अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। फिल्म कन्नप्पा में सरथकुमार नाथनधुडु की भूमिका निभाएंगे।

पोस्टर में अभिनेता को एक आदिवासी योद्धा के रूप में दिखाया गया है, जो दोनों हाथों में दो तलवारें लिए हुए है और तेज आवाज में चिल्लाता हुआ दिखाई दे रहा है। शक्तिशाली और दिलचस्प पोस्टर से पता चलता है कि सरथकुमार विष्णु मांचू के साथ एक दिलचस्प किरदार निभाएंगे। कन्नप्पा तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की एक आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म है। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विभिन्न इंडस्ट्री से जुड़े शानदार कलाकारों की टोली है। इसकी पटकथा खुद विष्णु मांचू ने लिखी है।

फिल्म में विष्णु मांचू और सरथकुमार के अलावा अभिनेता मोहन बाबू, मोहनलाल, प्रभास, प्रीति मुकुंदन, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल भी हैं। उनकी भूमिकाओं का विवरण गुप्त रखा गया है। कन्नप्पा को लेकर विष्णु मांचू ने साझा किया था, यह फिल्म हमारे इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसे सबसे आगे लाने पर गर्व है। कुछ सालों में हमने देखा है कि कैसे स्थानीय कहानियां विश्व स्तर पर गूंजती हैं, और कन्नप्पा एक ऐसी कहानी है, जो हमारी समृद्ध संस्कृति में निहित है, यह फिल्म हर जगह के दर्शकों से जुड़ेगी। सच्ची कहानी पर आधारित कन्नप्पा तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी। इसका निर्माण मोहन बाबू ने 24 फ्रेम्स फैक्ट्री और एवीए एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। तकनीकी दल में छायाकार शेल्डन चाऊ और संपादक एंथनी गोंसाल्वेज शामिल हैं। स्टीफन देवासे फिल्म के संगीत निर्देशक हैं। कन्नप्पा मुकेश सिंह द्वारा निर्देशित एक पीरियड फिल्म है। (आरएनएस)

फिल्म स्त्री 2: डरते-डरते हंसने के लिए हो जाएं तैयार

साल 2०18 में फिल्म स्त्री आई थी जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी। अब उस फिल्म का दूसरा पार्ट स्त्री 2 आ रही है और वो इसी साल 15 अगस्त के दिन थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म के पोस्टर्स और टीजर तो पहले रिलीज हो चुके हैं लेकिन आज फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

ट्रेलर की शुरुआत ही आपको बता देगी कि पूरी फिल्म स्त्री 2 कैसी होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर जबरदस्त है और इस बार आपको पहले वाली स्त्री से भी डर लगने वाला है लेकिन हंसी का तडक़ा भी देखने को मिलेगा। श्रद्धा कपूर ने फिल्म स्त्री 2 का ट्रेलर शेयर किया है। काफी दिनों से इसका प्रमोशन हो रहा था लेकिन अब इसका ट्रेलर उन्होंने शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ये रहा ट्रेलर।।भारत का सबसे ज्यादा इंतजार करने वाला गैंग वापस आ गया है। जो चंदेरी का नये आतंक को खत्म करने के लिए लड़ेंगे। फिल्म का ट्रेलर जियो स्टिडियो के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया। जिसके बाद इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर किया। फिल्म में स्त्री (2०18) के ही ज्यादातर सितारे नजर आएंगे। इनमें राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों का नाम शामिल है। फिल्म 15 अगस्त को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी जब पिछली स्त्री (2०18) में एक महिला की आत्मा चंदेल गांव के पुरुषों से बदला लेती थी। बाद में उसकी अधूरी इच्छा को पूरा करके उसे शांत किया गया था। अब स्त्री 2 के ट्रेलर को देखकर लगता है कि इसमें कोई पुरुष लड़कियों को उठाएगा जो बहुत ही खूंखार है। हर कोशिश करने के बाद फिर विक्की और उसकी गैंग स्त्री (2०18) को जगाते हैं जो गांव वालों को उससे बचा सके। फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है और इसके देखने के बाद आपको इसकी रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार होने लगेगा। साल 2०18 में आई फिल्म स्त्री ने दर्शकों का दिल जीता था और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। मेकर्स को स्त्री 2 से भी काफी उम्मीदें हैं।(आरएनएस)

खूबसूरत साड़ी पहन रश्मिका मंदाना ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बना दिया है। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हट पाना मुश्किल हो गई है।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही छा जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस के लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं।

रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान नीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं।

कानों में इयररिंग्स, बालों में गजरा और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस ने अपनी इस साड़ी के साथ ब्लू कलर का स्टाइलिश ब्लाउज पहना हुआ है जोकि उन पर काफी जंच रहा है।

रश्मिका मंदाना ने जिस तरह से अपने आउटफिट को कैरी किया है वो बेहद ही लाजवाब है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रश्मिका मंदाना की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

सूर्या की फिल्म कंगुवा से पहला गाना फायर रिलीज

सूर्या साउथ के सुपरस्टार कहे जाते हैं। उनकी फिल्में रिलीज होते ही थिएटर्स में छा जाती हैं। अभिनेता की फिल्म कंगुआ बहुत जल्द रिलीज होने वाली है, लेकिन इसके पहले मेकर्स फैंस में बज बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। अब कंगुआ के मेकर्स ने फैंस को सरप्राइज देते हुए सूर्या के जन्मदिन के खास अवसर पर इस फिल्म का पहला थीम सॉन्ग फायर रिलीज कर दिया है। गाने के रिलीज होने से इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

सूर्या के फैंस के लिए आज का दिन बेहद खास है। आज अभिनेता अपना 48वां जन्मदिन धूमधाम से मना रहे हैं। कंगुआ के इस गाने में सूर्या काफी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। सूर्या का यह अवतार पहले कभी नहीं देखा गया है। इस धमाकेदार गाने में सूर्या का दिलचस्प अंदाज धमाल मचाने के लिए काफी है। गाने में अभिनेता प्राचीन काल के एक योद्धा की ड्रेस में नजर आ रहे हैं। जन्मदिन के खास अवसर पर यह गाना सूर्या के इंटेंस रोल के लिए एक बेहतरीन ट्रिब्यूट है। इस गाने के पॉवरफुल बीड्स और इंप्रेस करने वाले विजुअल्स फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं।

स्टूडियो ग्रीन द्वारा प्रोड्यूस कंगुवा इस साल के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। 35० करोड़ से ज्यादा के बजट के साथ यह पुष्पा और सिंघम जैसी कई हाई-प्रोफाइल फिल्मों से आगे निकल गई है। प्रीहिस्टोरिक एरा का फील कैप्चर करने के लिए इस फिल्म को सात देशों और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में शूट किया गया है। हॉलीवुड के एक्शन और सिनेमेटोग्राफी एक्सपर्ट्स ने फिल्म को ग्रैंड बनाया है, जिससे यह बात तय हो जाती है कि कंगुवा इंडियन सिनेमा का सबसे शानदार विजुअल्स देने वाली फिल्म होने वाली है।

इस फिल्म की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली चीजों में से एक चीज है, वह है इसका सबसे बड़ा वॉर सीन। इस वॉर सीन में 1०,००० से ज्यादा एक्स्ट्रा कलाकार हैं। फिल्म के हर फ्रेम में अच्छी प्लानिंग और मैनेजमेंट की झलक देखने को मिलेगी, जिससे कंगुवा एक ऐसी फिल्म बन गई है, जिसे देखने के लिए दुनिया भर के दर्शक उत्साहित हैं। बता दें कि यह फिल्म 1० अक्टूबर 2०24 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

छद्म लड़ाई में जवानों की शहादत बड़ी चिंता का

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के हालात बदल रहे हैं। बाहरी लोगों पर हमले और हत्या के बाद अब सुरक्षा बलों पर हमले का सिलसिला तेज हो गया है। सिर्फ पिछले महीने में कम से कम सात जगह आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई है, जिसमें 12 जवान शहीद हुए हैं। डोडा के डेसा जंगल में सोमवार, 15 जुलाई को आतंकवादियों के हमले में सेना के एक कैप्टेन सहित पांच जवान शहीद हो गए। इससे पहले कुलगाम में दो जगहों पर मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षा बलों के दो जवान मारे गए।

इसके बाद कठुआ में सेना की गाड़ी पर आतंकवादियों ने घात लगा कर हमला किया, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षा बलों की ओर से बताया गया कि कठुआ में सेना की गाड़ी पर पहले ग्रेनेड से हमला हुआ और उसके बाद गोलियां चलाई गईं। यह घटना पिछले महीने रियासी में हुई घटना से मिलती जुलती थी, जिसमें आतंकवादियों ने यात्रियों से भरी एक बस के ड्राइवर को गोली मार दी, जिससे बस खाई में गिर गई और नौ लोगों की जान चली गई। माना जा रहा है कि आतंकवादी सेना की गाड़ी भी इसी तरह से खाई में गिराना चाहते थे ताकि अधिकतम नुकसान हो।

भारत सरकार का दावा है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। एक आंकड़े के मुताबिक पांच अगस्त 2016 से चार अगस्त 2019 तक राज्य में नौ सौ आतंकवादी घटनाएं हुई थीं, जिनमें 290 जवान शहीद हुए थे और 191 नागरिकों की जान गई थी। लेकिन अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद अगले तीन साल में इसमें गिरावट आई। पांच अगस्त 2019 से चार अगस्त 2022 के बीच 617 आतंकवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिक मारे गए। लेकिन सवाल है कि क्या शांति काल में दूसरे किसी देश में एक सीमा पर इतने जवान शहीद होते हैं या इतने नागरिक मारे जाते हैं? जब पाकिस्तान के साथ युद्धविराम संधि लागू है और कोई लड़ाई नहीं चल रही है तो छद्म लड़ाई में इतने जवानों की शहादत और आम नागरिकों की मौत निश्चित रूप से बड़ी चिंता का कारण होना चाहिए।

दूसरा सवाल यह है कि पिछले कुछ समय से जब राज्य में शांति बहाली का दावा किया जा रहा था तो अचानक सैन्य बलों पर हमले की घटनाओं में क्यों तेजी आ गई? क्या राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होने और चुनाव की तैयारियों की वजह से ऐसा हो रहा है? गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में जम्मू कश्मीर के नागरिकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। मतदान के आंकड़े ऐतिहासिक थे। पिछले लगभग चार दशक में इतने ज्यादा लोगों ने वोट नहीं डाले थे। अब अगले दो महीने में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, जिसके बाद जम्मू कश्मीर को चुनी हुई सरकार मिलेगी। तभी सवाल है कि क्या आतंकवाद को भारत विरोधी नीति के तौर पर इस्तेमाल करने वाले पड़ोसी देश पाकिस्तान को इससे बेचैनी हो रही है कि क्यों जम्मू कश्मीर के लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं?

यह संभव है कि पाकिस्तान और उसके समर्थन से फलने फूलने वाले आतंकवादी संगठन एक रणनीति के तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विफल करने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हों। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पाकिस्तान ने लंबे समय से आतंकवाद को भारत विरोधी कूटनीति का एक हिस्सा बना रखा है और वह इसे छोड़ने वाला नहीं है। फर्क इतना है कि इसका रूप बदल रहा है। पुराने आतंकवादी संगठनों की जगह नए नाम के संगठन आ गए हैं। पुराने आतंकवादी सरगनाओं की जगह नए सरगना आ गए हैं। जैसे डोडा की ताजा घटना की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स ने ली है। इसका कारण यह है कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की जांच से पाकिस्तान घबराया है और उसे किसी तरह से एफटीएफ की सूची से बाहर निकलना है।

इसलिए वह ये मैसेज बनवा रहा है कि उसने आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की है और कई समूहों को समाप्त कर दिया है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। सारे आतंकवादी समूह अब भी नाम बदल कर सक्रिय हैं। भारत को इस साजिश को बेनकाब करने का प्रयास करना चाहिए ताकि पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बना रहा। एफएटीएफ का दबाव कम होगा तो पाकिस्तान की वित्तीय मुश्किलें कम होंगी और तब उसकी भारत विरोधी गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति का भी एक पहलू है। शरीफ बंधुओं ने सेना के साथ मिल कर सत्ता पर कब्जा कर लिया है और इमरान खान को जेल में बंद कर रखा है, जिससे आवाम में नाराजगी है। इस नाराजगी को कम करने के लिए भी भारत विरोधी गतिविधियां तेज की गई हो सकती हैं।

जम्मू कश्मीर के बदलते सुरक्षा लैंडस्केप का एक बड़ा कारण यह भी है कि भारत इस क्षेत्र में अपनी सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक शांति के लिए पूरी तरह से सैनिक व्यवस्था पर निर्भर है। सुरक्षा और शांति की जो तस्वीर दिखाई जा रही है वह लाखों सैनिकों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की वजह से है। भारत ने पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक वार्ता बंद कर रखी है। दोनों देशों के बीच कारोबार बंद है। खेल और फिल्म के जरिए होने वाली सॉफ्ट डिप्लोमेसी भी बंद है। अगर दोनों देशों के आर्थिक हित जुड़े होते तो संभव है कि सुरक्षा के हालात इतने नहीं बिगड़ते। सेना के दम पर पूरे राज्य की सुरक्षा लंबे समय तक सुनिश्चित करना एक मुश्किल काम है।

इसी का एक दूसरा पहलू यह है कि ऐतिहासिक रूप से भारतीय सेना कश्मीर घाटी में तैनात है। इसलिए वहां सुरक्षा बलों की मदद से काफी हद तक सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। लेकिन अब आतंकवादी हमलों का निशाना जम्मू का इलाका है। कठुआ, राजौरी में लगातार हमले हो रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि जम्मू रेंज में भी सेना को उसी तरह का बंदोबस्त करना होगा, जैसा कश्मीर घाटी में किया गया है। यह सेना और सुरक्षा बलों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ाने वाला होगा। एक समस्या यह भी है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को भारत में मिलाने की चर्चा छेड़ दी। वोट के लिए भाजपा के बड़े नेताओं ने कहा कि मोदी को जिताएं तो छह महीने में पीओके भारत का होगा। इससे पाकिस्तान रक्षात्मक हुआ है और चीन की भी चिंता बढ़ी है। हालांकि सामरिक रूप से यह संभव नहीं है कि भारत युद्ध करके पीओके को अपने में मिलाए लेकिन भाजपा के बड़े नेताओं और कई केंद्रीय मंत्रियों के बयानों ने हालात बिगाड़ दिए। भारत की कूटनीति पाकिस्तान के साथ साथ चीन से भी बंद है या बहुत सीमित हो गई है। चीन के साथ कारोबार जरूर बढ़ रहा है लेकिन कूटनीति नहीं हो रही है। इस वजह से भी उत्तर में सीमा पर भारत पूरी तरह से सामरिक रणनीति पर निर्भर हो गया है। पिछले अनेक बरसों से दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है या उसकी आर्थिक, राजनीतिक, सामरिक व्यवस्था ढह गई है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। पाकिस्तान की व्यवस्था ढह नहीं गई है और ढहनी भी नहीं चाहिए क्योंकि परमाणु शक्ति संपन्न किसी देश की अगर राजनीतिक और सामरिक व्यवस्था ढहती है तो उसका कितना बड़ा खामियाजा दुनिया को भुगतना पड़ सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। इसलिए वहां महंगाई बढ़ रही है या राजनीतिक झगड़े बहुत हैं या सेना ही मालिक है, नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को बरबाद कर दिया, जैसी भारतीय मीडिया में चलने वाली बहसों का कोई मतलब नहीं है। पाकिस्तान जर्जर हालत में भी भारत के लिए बड़ी सुरक्षा चिंता पैदा किए हुए है। इसलिए सैन्य बल और सामरिक रणनीति के साथ साथ कूटनीति का इस्तेमाल बढ़ाने की जरुरत है।

सू- दोकू क्र.71

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में

संजीव ठाकुर

हर तरह के एक सूखे और अन्य नशे से न सिर्फ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक संरचना कमजोर होती है, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक तंत्र पर बड़ी चोट लगती है। वैश्विक स्तर पर माना जाता है कि विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में है।

भारत युवा शक्ति का देश है और भारत को नशे की गिरफ्त से बचा कर एक ऊर्जावान युवा शक्ति का बड़ा केंद्र बनाना ही हमारी सार्थकता होगी। विव्यापी नशे की व्यापकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने 7 दिसम्बर, 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाने का निर्णय लिया था। यह एक तरफ लोगों को नशे के प्रति चेतना फैलाता है, वहीं नशे की गिरफ्त में आए लोगों के उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाता है। मादक पदार्थ के नशे की लत युवाओं में तेजी से फैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के कहने पर लिए गए मादक पदार्थ अक्सर युवाओं के लिए जानलेवा साबित होते हैं। युवा तो युवा बच्चे भी फेविकोल, तरल इरेजर, पेट्रोल की गंध और स्वाद के प्रति आकर्षित होते हैं, और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलीनी जैसी दवाओं को सूंघ कर नशे का आनंद लेते हैं। तंबाकू, सिगरेट, गांजा, कोकीन, चरस, स्मैक, भांग जैसी नशीली वस्तुओं का युवा सेवन कर अपनी जिंदगी से खेलने में लगे हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने के साथ-साथ मादक पदाथरे से मुकाबले के लिए विभिन्न देशों द्वारा उठाए गए कदमों तथा इसके मार्ग में उत्पन्न चुनौतियों तथा निवारण का सही-सही उपचार भी बताता है। भारत में शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। मद्यपान के कारण 1500 से दो हजार भारतीय शराब के नशे में प्रति वर्ष मर जाते हैं। आज हर 20 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शराबखोर है। पुरु ष तो पुरु ष महिलाएं भी मद्यपान की ओर आकर्षित हो रही हैं। विशेषकर उच्च तथा मध्यमवर्गीय परिवारों में महिलाएं शराब का सेवन करने लगी हैं। महानगरों में बड़े शहरों की कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों तथा हॉस्टल में महिलाओं का शराब का सेवन तेजी से बढ़ते जा रहा है।

एक सर्वे के अनुसार करीब 20 से 25प्रति. महिलाएं शराबखोरी की गिरफ्त में आ चुकी हैं। यूरोपियन देशों में महिलाओं की नशाखोरी की आदत का प्रतिशत 60प्रति. से ऊपर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बैठकों, सेमिनार तथा मीटिंग में शराब का सेवन आम बात बन गई है। यह एक फैशन की तरह महिलाओं के मध्य फैल कर उन्हें नशे की लत में डुबोने लगा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार नशा मनुष्य के जीवन के लिए जहर जैसा है, नशे की लत में वैवाहिक जीवन भी टूटने के कगार पर आ जाता है। मनुष्य के शरीर का लीवर, किडनी तथा अन्य अंग खराब होकर मृत्यु की ओर ले जाने को तत्पर रहते हैं। नशे से दूर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर भारत में भी अनेक उपाय किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति केंद्र तथा नशे के पदाथरे पर चेतावनी आदि लिखने का काम किया जा रहा है। नशा आज युवाओं को पथभ्रष्ट चरित्रहीन और अपराधी बनाने के पीछे एक बड़ा घातक कारण है। नशे की प्रवृत्ति से बचाने के लिए मनुष्य को नशे से हर हाल में दूर रखना होगा अन्यथा आने वाली पीढ़ी राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय सम्मान तथा राष्ट्रीय शक्ति को भूलती जाएगी और नशे की लत में युवा अपने कर्त्तव्य से परे हो जाएगा जो एक बहुत ही खतरनाक स्थिति होगी।

टपकेश्वर मंदिर प्रांगण में किया वृक्षारोपण

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड के प्रमुख लोकपर्व हरेला के समापन के अवसर पर आज श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्री कृष्ण गिरी जी, दिगंबर श्री भारत गिरी जी के सानिध्य में टपकेश्वर मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें आम, आंवला,अमरूद, जामुन, बिल्वपत्र, अर्जुन, नीम,सहजन और अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया गया जिसमें श्री दिगंबर भारत गिरी जी, लालचंद शर्मा, महेश खंडेलवाल, रोहित अग्रवाल, रोशन राणा, हेमराज अरोड़ा, राहुल माटा, अतुल प्रजापति शामिल रहे।

पंचायतीराज निदेशालय पर धरना 28वें दिन भी जारी

देहरादून (सं)। एक राज्य एक चुनाव की तर्ज पर पंचायतों के कार्यकाल दो वर्ष तब बढाने की मांग को लेकर पंचायतीराज निदेशालय के बाहर धरना 28वें दिन भी जारी रहा। आज यहां पंचायतीराज निदेशालय देहरादून में 'एक राज्य एक चुनाव की तर्ज' पर त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाने की मांग को लेकर चल रहा धरना लगातार अठारहवे दिन भी जारी रहा। धरने के अठारहवे दिन सम्मानित माननीय जिलापंचायत अध्यक्ष देहरादून मधु चौहान, अध्यक्ष प्रमुख संगठन दर्शन सिंह दानू, प्रमुख दुग्गडा रूची कैतूरा, अध्यक्ष प्रधान संगठन भास्कर सम्मल, संयोजक जगत मार्तोलिया, सुंदर सिंह रावत, नरेंद्र मेनवाल, श्रीपाल रावत, विनोद सिंह रावत 12 जनपदो से जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम पंचायत प्रधान ग्राम वार्ड सदस्य धरना प्रदर्शन मे शामिल हुए।

पहाड़ पर टूटा मुसीबतों का... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

हिस्सा बह गया है, लिंचोली में 500 से अधिक लोग फंसे हुए हैं जिन्हें हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर तथा जंगल से वैकल्पिक मार्ग से निकाला जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक 100 के आसपास लोगों को निकाला जा चुका था तथा रेस्क्यू जारी था। केदारनाथ यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है तथा हाईवे व वैकल्पिक मार्ग खुलने तक यात्रा बंद रहेगी। इस आपदा से हरिद्वार में तीन रुड़की में दो तथा देहरादून व चमोली में एक-एक मौत होने की पुष्टि प्रशासन द्वारा की गई है जबकि पांच लोग लापता बताए गए हैं। पहाड़ पर भारी बारिश के बाद ऋषिकेश व हरिद्वार में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है प्रशासन ने लोगों से घाटों से दूर रहने की अपील की है।

राहत-बचाव कार्यों के लिए धनराशि की... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

देहरादून, चमोली, नैनीताल, अल्मोड़ा और उत्तरकाशी से बारिश की स्थिति, जानमाल के नुकसान, जलभराव की स्थिति, सड़कों, पुलों, पेयजल और विद्युत की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अगले 24 घण्टे सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रखें। आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लाया जाए और उनके रहने खाने की पर्याप्त व्यवस्थाएं रखी जाए। सुरक्षित स्थानों पर लाये जा रहे बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती माताओं को रहने के साथ दवाईयों एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की समुचित व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अतिवृष्टि के कारण सड़के बाधित होने की स्थिति में उनको सुचारू करने में कम से कम समय लिया जाए। उन्होंने पुल टूटने पर बैली ब्रिज बनाकर जल्द से जल्द आवागमन को सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए, कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को पेयजल और विद्युत की सूचारू आपूर्ति हो। चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं रखने के उन्होंने निर्देश दिये हैं। यात्रा मार्ग में अतिवृष्टि के कारण यदि कहीं पर मार्ग बाधित होते हैं या आगे कोई खतरा प्रतीत होता है तो यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक लिया जाए। अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के साथ ही फसलों और मवेशियों को हुए नुकसान का आंकलन करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिये हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य सलाहकार समिति आपदा प्रबंधन विनय कुमार रूहेला, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन राजकुमार एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एनएसयूआई ने भाजपा सरकार व पुलिस को पुतला दहन किया

संवाददाता

देहरादून। बागेश्वर में एनएसयूआई के छात्र संघ अध्यक्ष व जिलाध्यक्ष को गिरफ्तार करने के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एस्लेहाल चौक पर पुलिस प्रशासन व भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस प्रशासन एवं भाजपा सरकार का एस्ले हॉल देहरादून पर पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी ने कहा हैं कि राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर में एनएसयूआई एवं एबीवीपी छात्र गुटों के बीच हुए प्रकरण पर पुलिस द्वारा केवल एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर ही एफआईआर दर्ज कर जेल भेजना पुलिस की कार्यवाही पर सवाल खड़े करता हैं। 29 जुलाई, 2024 को राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर में एबीवीपी द्वारा बिना महाविद्यालय प्रशासन की अनुमति के महाविद्यालय में आरएसएस का कार्यक्रम आयोजित कराया गया था। राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर के छात्र संघ अध्यक्ष राहुल कुमार एवं एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष कमलेश गडिया द्वारा महाविद्यालय में बिना अनुमति के कराये जा रहे इस कार्यक्रम एवं आरएसएस की बैठक का विरोध किया गया जिसके प्रत्युत्तर में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं द्वारा छात्र संघ अध्यक्ष एवं एनएयूआई के जिलाध्यक्ष के साथ मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किए उसके बाद भी पुलिस द्वारा कार्यवाही केवल एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर ही की गए हैं। एनएसयूआई पुलिस प्रशासन से मांग है कि उक्त मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के साथ ही जांच होने तक थाना प्रभारी बागेश्वर को वहां से हटाया जाय ताकि जांच प्रभावित न हो तथा एनएसयूआई के पदाधिकारियों एवं छात्र संघ अध्यक्ष को तुरंत रिहा किया जाय। साथ ही उक्त प्रकरण में एनएसयूआई की तहरीर पर कार्रवाई के निर्देश भी दिये जांय। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अभय कैतूरा, सुधांशु अग्रवाल, अरुण टम्टा, सागर सेमवाल, मुकेश बसेरा, प्रांचाल नौनी, हरजोत सिंह, पुनीत राज, अभिनव सिंह, करन राय, सिमरन, काजल, करण राय आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिषद ने महाधिवक्ता नैथानी के निधन पर दुख प्रकट किया

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने महाधिवक्ता एलपी नैथानी के निधन पर दुख प्रकट किया।

आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने आज कचहरी परिसर शहीद स्मारक में राज्य आंदोलनकारी की लड़ाई लड़ने वाले महाधिवक्ता एल पी नैथानी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मोन रखा तथा उनके उत्तराखंड आंदोलन में दिए गए सहयोग को नहीं भुलाया जा सकता आंदोलनकारी सदैव उनके ऋणी रहेंगे। शोक प्रकट करने वालों में उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, नवनीत गोसाई, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, धर्मानंद भट्ट, अनुराग भट्ट, सुशील विरमानी आदि शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

देहरादून (सं)। युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले को पुलिस ने सेलाकुई से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जुलाई को कोतवाली डोईवाला पर हर्रावाला निवासी व्यक्ति द्वारा प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी 21 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। जिस पर थाना डोईवाला पर युवती की गुमशुदगी पंजीकृत की गई। 21 जुलाई 2024 को उक्त गुमशुदा युवती स्वंय वापस आयी, जिसके द्वारा अपने पिता को बताया गया की निशांत नाम का लडका उसे बहला फुसलाकर उसके साथ शादी करने का झांसा देकर उसे अपने साथ सेलाकुई स्थित अपने कमरे पर ले गया, जहां उक्त युवक द्वारा युवती के साथ जबरदस्ती शारीरिक सम्बन्ध बनाये गये तथा किसी को भी इस सम्बन्ध में बताने पर जान से मारने की धमकी दी गयी। जिसके बाद पुलिस ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया। घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित करते हुए आवश्यक निर्देश निर्गत किये गये। गठित पुलिस टीम द्वारा 31 जुलाई को निशान्त माहतो पुत्र शैलेश माहतो निवासी ग्राम धनौली थाना बैना जिला नालन्दा बिहार को सेलाकुई से गिरफ्तार किया गया। जिसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आपदा प्रबंधन में पूरी तरह फेल है भाजपा सरकार: हृदयेश

संवाददाता

हल्द्वानी। आज यहां विधायक सुमित हृदयेश ने जनसरोकार से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रेस से वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के राज मे देवभूमि उत्तराखंड चौतरफा त्राहिमाम कर रहा है। फेल आपदा प्रबंधन से पहाड़ से लेकर तराई तक हाहाकार मची है। ऑल वेदर रोड सिर्फ नाम की ऑल वेदर रह गयी। सड़क मार्गो का हाल प्रदेश की वर्तमान हालात को दर्शा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगो की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। भाजपा राज में बाबा केदारनाथ के साथ भी छल किया गया, लगभग 125 करोड़ लागत के सोने के चढ़ावे का कोई अता पता नही, उसको ढूढ़ने के विपरीत भाजपा नेताओं द्वारा तरह तरह की बाते करना ऐसा है जैसे चोर चोर मौसेरे भाई। सुमित ने कहा कि बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं से जनता त्रस्त है और बेलगाम अफसरशाही ने प्रदेश में खुली लूट मची है। पहाड़ी प्रदेश होने के बाद भी पहाड़ो में स्वास्थ्य सेवाओं का बहुत बुरा हाल है। उचित स्वास्थ्य सेवाओ के अभाव में जनता मरने को लाचार है। सुमित हृदयेश ने कहा कि सरकार के पास विकास का कोई रोड मैप नही है। सरकार द्वारा विकास के नाम पर सिर्फ विनाश किया जा रहा है। अतिक्रमण के नाम पर लोगो को उजाड़ा जा रहा है, पुरानी व्यवस्थाओं को तोड़ा जा रहा है। जिससे आम जनमानस का जीवन दुस्वार होता जा रहा है। हृदयेश ने कहा की जाम के नाम पर रोड चौड़ीकरण कर हल्द्वानी शहर को उजाड़ने से बेहतर होता कि हल्द्वानी वासियों को लंबित आईएसबीटी और रिंग रोड की सौगात दी जाती। इससे हल्द्वानी बाजार के एकमात्र सुलभ शौचालय को भी नही तोड़ना पड़ता। सुमित हृदयेश ने कहा कि कमीशन के नाम पर प्रदेश को चौतरफा लूटा जा रहा है। सरकारी कामो की कोई देखरेख नही कोई जवाबदेही नही। सिर्फ और सिर्फ कमीशन पर सभकी निगाहें है। सुमित हृदयेश ने कहा कि हाल में सम्पन्न बद्रीनाथ और मंगलौर विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भाजपा सरकार को आईना दिखाने का काम किया है और अब निकाय और पंचायत चुनावों में भी यही ट्रेंड देखने को मिलेगा क्योकि जनता जाग चुकी है और भावनाओ से खिलवाड़ से आजिज आ चुकी है। प्रेसवार्ता मे जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर अध्यक्ष गोविन्द बिष्ट, हरीश मेहता, हेमंत, डॉ मयंक भट्ट, सुहेल सिद्दीकी, ब्लॉक अध्यक्ष मोहन बिष्ट, जाकिर हुसैन, हेम पांडे, नरेश अग्रवाल, गिरिश पांडे, दीप पाठक, संदीप, हरीश लाल वैध ने शामिल थे।

एक नजर

गोमती नगर हुड़दंग मामले में डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी हटाये गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में कल बारिश के बाद हुई घटना में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई की है। इस मामले में डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी को हटा दिया गया है। साथ ही गोमती नगर थाने के प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके अलावा चौकी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। बता दें कि 31 जुलाई को ताज होटल के निकट गोमती नगर थाना क्षेत्र में बने अंडरपास के पास बारिश से जल भराव होने के दौरान आने-जाने वाले राहगीरों व वाहनों के साथ कुछ अराजक तत्वों द्वारा हुड़दंगई की गई थी। साथ ही आपत्तिजनक

हरकतों का संज्ञान लेते हुए थाना गोमती नगर में प्रथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार अलग-अलग टीम बनाकर उन्हें लगाया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि अराजक तत्वों की गिरफ्तारी की कोशिश में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है और प्राप्त साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में वृद्धि भी की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 191(2), 3(5), 272, 285 और 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने/ लज्जाभंग सम्बन्धी) बीएनएस 2023 के तहत केस दर्ज किया गया है। बाकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए कोशिश की जा रही है। बता दें कि इससे पहले आरोपियों के खिलाफ दर्ज केस में महिला के साथ छेड़खानी का केस दर्ज नहीं किया गया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस में हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज की

मथुरा। मथुरा के चर्चित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करने का यह बड़ा फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार 01 अगस्त को सुनाया। खबर के मुताबिक, इस मामले में हिंदू पक्ष की ओर से 18 याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसमें शाही

ईदगाह मस्जिद की जमीन को हिंदुओं की बताया गया था। इसके साथ ही, हिंदू पक्ष ने वहां पूजा का अधिकार दिए जाने की मांग की थी। जिसके बाद मुस्लिम पक्ष की तरफ से हिंदू पक्ष की याचिकाओं को खारिज करने की मांग गई थी। मुस्लिम पक्ष ने प्लेसिस ऑफ वर्शिप एक्ट, वक्फ एक्ट, लिमिटेशन एक्ट और स्पेसिफिक पजेशन रिलीफ एक्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन, हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया। वहीं, हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी। यह फैसला जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने सुनाया है।

स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में भारत को दिलाया तीसरा पदक

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के तीसरे मेडल का इंतजार खत्म हो चुका है। स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को शूटिंग की मेन्स 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है। ये पहली बार है, जब किसी भारतीय निशानेबाज ने ओलंपिक की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में पदक जीता है। भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में

कांस्य पदक हासिल करके इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि पहली बार है जब किसी भारतीय निशानेबाज ने इस श्रेणी में पदक जीता है। कुसाले ने शैटॉरौक्स के नेशनल शूटिंग सेंटर में आयोजित फाइनल में 451.4 अंक बनाए। शुरुआत में, कुसाले नीलिंग स्टेज के बाद 153.3 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर थे। प्रोन स्टेज के अंत तक उन्होंने 310.1 के कुल स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई, और तीसरे स्थान पर मौजूद यूक्रेन के सेरही कुलिश से सिर्फ 0.6 अंक पीछे रहे। अपने पहले पांच स्टैंडिंग शॉट्स में, उन्होंने 51.1 स्कोर किया, चौथे स्थान पर पहुंचे और सिर्फ 0.4 अंकों से तीसरे स्थान पर पहुंचे। अंतिम दौर में तीन चरण होते हैं। घुटने टेकना, लेटना और खड़े होना, प्रत्येक चरण में 15 शॉट शामिल होते हैं। इन चरणों के बाद, एक एलिमिनेशन राउंड होता है। कुसाले ने क्वालीफाइंग राउंड में तीन पोजीशन से 38 इनर 10 (Xs) सहित कुल 590 स्कोर के साथ सातवां स्थान हासिल किया था।

15 अगस्त की तैयारियों के लिए डीएम ने दिये अधिकारियों को निर्देश

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने 15 अगस्त की तैयारियों के लिये अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 की तैयारियों को लेकर ऋषिपर्ण सभागार में बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को समय पर तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को उनके दायित्वों को समझाते हुए निर्देशित किया कि जो भी जिम्मेदारियां एवं दायित्व दिए गए हैं उनको जिम्मेदारी से निर्वहन करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, पेयजल, नगर निगम को परेड ग्राउंड में अस्थाई निर्माण कार्य, सीटिंग व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, सफाई आदि समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। समस्त उप जिलाधिकारी को अपने अपने क्षेत्र में स्वंतत्रता दिवस के कार्यक्रम एवं प्रभातफेरी अयोजित करने तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रभातफेरी के दौरान चिकित्सक सहित एंबुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए। नारी निकेतन, कारागार में मिष्ठान तथा चिकित्सालयों में फल वितरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। शिक्षा विभाग को स्कूलों वाद/विवाद, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। सूचना विभाग मुख्य चौराहों पर देश भक्ति के गीत प्रसारित करने तथा कार्यक्रम स्थल एवं प्रमुख चौराहों पर एलईडी स्थापना, कार्यक्रम स्थल पर फोटो गैलरी स्थापित करने। शिक्षा विभाग प्रभातफेरी तथा जिला पूर्ति अधिकारी को कार्यक्रम स्थल जलपान एवं प्रभातफेरी के दौरान मिष्ठान की व्यवस्था के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। जनपद के प्रमुख चौराहों पर 14 अगस्त 2024 को सांय 06 बजे से रात्रि 9 बजे तक तथा 15 अगस्त 2024 को प्रातः 06 बजे से 11 बजे पूर्वान्ह तक लाउडस्पीकर के माध्यम से देश प्रेम एवं देश भक्ति के गीतों का प्रसारण। 15 अगस्त को सुबह प्रभातफेरी निकाली जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम बीर सिंह बुदियाल, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, उप जिलाधिकारी सदर हरि गिरि, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन, कमांडेंट होमगार्ड राहुल सचान,जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मारपीट कर वाहन क्षतिग्रस्त करने के मामले में 15 दिन बाद मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर टैक्सी को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने 15 दिन बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मित्र लोक कालोनी बल्लुपुर निवासी ध्रुपद पुंज ने 16 जुलाई को राजपुर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पास अपनी टैक्सी है जिसको उनका ड्राइवर नोबत राम चलाता है। 14 जुलाई की शाम साढे तीन बजे ड्राईवर मसूरी से कुछ सवारियों को लेकर दून की तरफ आ रहा था। राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान से लगभग 200 मीटर आगे एक मोड पर वर्षा के कारण पानी एकत्रित हो रखा था जिसके कारण ड्राइवर ने टैक्सी की गति थोडी कम कर दी। तभी पीछे से आ रही कार मारूति इको ने उसकी टैक्सी को पीछे से टक्कर मार दी। जिसके कारण टैक्सी क्षतिग्रस्त हो गयी। दूसरी कार में से ड्राइवर बाहर आया और उसके ड्राइवर की पीटाई शुरू कर दी तथा फोन कर अपने चार पांच अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और सभी ने उसके ड्राइवर को मारना शुरू कर दिया।

जब बीच बचाव कराने के लिए उनकी टैक्सी में बैठी सवारियां बाहर आयी तो उक्त लोगों ने सवारियों के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। किसी तरह से उसके ड्राइवर ने टैक्सी में बैठ टैक्सी वहां से भगाकर अपनी व सवारियों की जान बचायी।

पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर रख लिया। काफी कहने के बाद पुलिस ने 15 दिन बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दोस्त ने ही किया था कत्ल, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बिरिया मझोला गांव (मझोला-2) में सोमवार रात हुई युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद किया गया है। हत्या का कारण मृतक का हत्यारें दोस्त की महिला परिजन से अवैध सम्बन्ध होना बताया जा रहा है।

खटीमा कोतवाली में हत्याकांड का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पत्रकारों को बताया कि मंगलवार सुबह बिरिया मझोला (मझोला-2) गांव में एक युवक की हत्या की सूचना मिली थी। हत्याकांड के खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस व फोरेंसिक टीम की मदद ली गई थी। मृतक दिनेश चंद के चचेरे भाई जयचंद की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी थी। एसएसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मिली टोपी के आधार पर हत्यारोपी बिरिया मझोला निवासी विरेंद्र सिंह परिहार की शिनाख्त हुई, बरामद टोपी हत्यारोपी विरेंद्र की थी।

उन्होंने बताया कि दिनेश और विरेंद्र बचपन के दोस्त थे। दिनेश कुछ दिन पहले हिसार से लौटकर गांव आया था। सोमवार की रात दोनों ने बिरिया मझोला में एक साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद दिनेश ने विरेंद्र पर उसकी एक महिला परिजन से अवैध संबंध होने का संदेह जताते हुए दूर रहने को कहा। जिस पर दोनों में हाथापाई हो गई। विरेंद्र ने दिनेश के गले में नाखुन गड़ाने के बाद सिर पर ईट से वार कर दिया। जिससे दिनेश बेहोश हो गया। इसके बाद विरेंद्र अपने घर गया और वहां से वन्यजीवों को भगाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 12 बोर का पोनिया की तरह दिखने वाला तमंचा लेकर आया। उसने बेहोश दिनेश के सीने में सटाकर गोली मार दी। इसके बाद उसने शव को छिपाने का प्रयास किया, लेकिन नशे की हालत में होने के कारण ऐसा नहीं कर सका। हत्या में इस्तेमाल तमंचे व ईट को बरामद कर लिया है। एसएसपी ने बताया कि हत्यारोपी विरेंद्र को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

घर के बाहर से एक्टिवा चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्क रोड निवासी डॉ. वरूण कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।